आकाशवाणी
देहरादून (उत्तराखण्ड)

गुरुवार 05.02.2026 समय 07.20

मुख्य समाचार :–

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जमरानी बहुउद्देशीय बांध परियोजना के कार्यों का निरीक्षण किया, परियोजना को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए।
- देहरादून में प्रस्तावित पॉड टैक्सी और मसूरी–नैनीताल रोपवे परियोजनाओं को लेकर सचिवालय में समीक्षा बैठक आयोजित, आवास सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने डीपीआर में सुधार पर दिया जोर।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा– सरकार, राज्य की सांस्कृतिक पहचान, सामाजिक संतुलन और मूल स्वरूप के संरक्षण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध।
- वनाग्नि संरक्षण को लेकर चकराता वन प्रभाग में तीन दिवसीय बहुविभागीय समन्वय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरु।

जमरानी बांध निरीक्षण

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नैनीताल में गोला नदी पर निर्माणाधीन जमरानी बहुउद्देशीय बांध परियोजना के कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों और तकनीकी विशेषज्ञों से परियोजना की प्रगति की जानकारी ली और निर्माण कार्यों को निर्धारित समय सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार के समन्वय से परियोजना से जुड़ी पर्यावरणीय और तकनीकी बाधाओं का समाधान किया गया है। उन्होंने कहा कि जमरानी बांध परियोजना सिंचाई और पेयजल आपूर्ति के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी। इससे उत्तराखण्ड के साथ–साथ उत्तर प्रदेश के किसानों और क्षेत्रवासियों को भी सीधा लाभ मिलेगा। परियोजना से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे और क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। गौरतलब है कि इस परियोजना का संपूर्ण निर्माण कार्य जून 2029 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

समीक्षा बैठक

देहरादून में प्रस्तावित पॉड टैक्सी परियोजना– पीआरटी और मसूरी व नैनीताल में प्रस्तावित रोपवे परियोजनाओं की व्यवहार्यता को लेकर सचिवालय में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता आवास सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने की। एक रिपोर्ट–

बैठक में उत्तराखण्ड मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन और संबंधित विभागों द्वारा परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति पर प्रस्तुतीकरण दिया गया। इसमें देहरादून पीआरटी परियोजना के तकनीकी, पर्यावरणीय, सामाजिक और वित्तीय पहलुओं पर चर्चा की गई। अधिकारियों ने बताया कि पीआरटी परियोजना से शहर में यातायात दबाव कम होगा और पर्यावरण अनुकूल परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। आवास सचिव ने परियोजना की उपयोगिता को और स्पष्ट करने के निर्देश देते हुए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट में पर्यावरणीय प्रभाव, सामाजिक प्रभाव और वित्तीय व्यवहार्यता को ठोस रूप में शामिल करने को कहा। उन्होंने संशोधित डीपीआर के साथ दोबारा प्रस्तुतीकरण करने और पीआरटी कॉरिडोर के संरेखण का स्थलीय निरीक्षण करने के भी निर्देश दिए। बैठक में मसूरी और नैनीताल में प्रस्तावित रोपवे परियोजनाओं की फिजिबिलिटी पर भी समीक्षा की गई। आवास सचिव ने रोपवे परियोजनाओं के अंतर्गत आने वाली भूमि का विस्तृत विवरण और स्वामित्व की स्थिति तैयार कर संबंधित विभागों से समन्वय कर आगे की कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

आकाशवाणी देहरादून के लिये समाचार कक्ष से अमित सुन्द्रियाल

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उच्चीकरण

देहरादून के रायपुर क्षेत्र में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के उच्चीकरण का कार्य लगभग पूरा हो गया है। इस परियोजना के पूरा होने से क्षेत्र के लोगों को आधुनिक और सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी और इसे शीघ्र ही जनता को समर्पित किया जाएगा। जिलाधिकारी सविन बंसल ने बताया कि रायपुर सीएचसी में नए भवन का निर्माण अंतिम चरण में है। नए भवन के शुरू होने से मरीजों को बेहतर उपचार और आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं एक ही स्थान पर मिल सकेंगी। सीएचसी में पहले की तुलना में बेड की संख्या बढ़ाकर 30 कर दी गई है। नए भवन में ओपीडी कक्ष, पैथोलॉजी लैब, डिजिटल एक्स–रे, अल्ट्रासाउंड, दवा वितरण केंद्र, टीकाकरण इकाई और 24 घंटे आपातकालीन सेवाएं उपलब्ध होंगी। ग्राउंड फ्लोर पर पंजीकरण, ओपीडी और आपातकालीन सेवाओं की व्यवस्था की गई है, जबकि ऊपरी मंजिलों पर पुरुषों, महिलाओं और निजी कक्षों के लिए बेड बनाए गए हैं। इसके साथ ही नवजात शिशुओं के लिए विशेष इकाई की भी व्यवस्था की गई है। रायपुर सीएचसी के उच्चीकरण से भोपालपानी, थानो, शमशेरगढ़, नत्थुवावाला, मालदेवता, सरोना, बौठा सहित मसूरी की तलहटी के गांवों और टिहरी ज़िले के कुछ क्षेत्रों की लगभग तीन लाख आबादी को सीधा लाभ मिलेगा। इससे मरीजों की जिला अस्पताल और निजी अस्पतालों पर निर्भरता भी कम होगी।

निरीक्षण

मुख्य सचिव आनंद बर्धन ने देहरादून के हर्रावला में नवनिर्मित शकुंतला रानी सरदारी लाल ओबेरॉय राजकीय मैटरनिटी एवं कैंसर चिकित्सालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल भवन और उपलब्ध सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली। मुख्य सचिव ने कहा कि इस अस्पताल को राष्ट्रीय स्तर के सुपर स्पेशलिटी कैंसर अस्पताल के रूप में विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं और इसके बेहतर संचालन के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि मरीजों को सभी आवश्यक जांच और चिकित्सा सुविधाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराए जाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। मुख्य सचिव ने अस्पताल के आसपास डॉक्टरों और स्टाफ के लिए आवासीय भवनों के लिए भूमि तलाशने के निर्देश अधिकारियों को दिए। साथ ही उन्होंने महानिदेशक स्वास्थ्य से आवश्यक मशीनों और उपकरणों की शीघ्र उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए विभागीय योजना साझा करने को कहा।

मुख्यमंत्री संबोधन

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि गढ़वाल और कुमाऊँ मंडलों में एक–एक अध्यात्मिक आर्थिक क्षेत्र की स्थापना की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार, देवभूमि उत्तराखंड की सांस्कृतिक पहचान, सामाजिक संतुलन और मूल स्वरूप के संरक्षण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री हल्द्वानी स्थित एम.बी. इंटर कॉलेज मैदान में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। श्री धामी ने कहा कि मानसखंड मंदिर माला मिशन कॉरिडोर के तहत कुमाऊँ क्षेत्र के प्राचीन मंदिरों और शिवालयों के पुनर्निर्माण और सौंदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही हरिपुर–कालसी में यमुना तीर्थ, हरिद्वार–ऋषिकेश में गंगा कॉरिडोर और शारदा कॉरिडोर जैसी परियोजनाओं के माध्यम से राज्य की आध्यात्मिक पहचान को मजबूत किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार उत्तराखंड को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने के संकल्प के साथ लगातार आगे बढ़ रही है और इसके लिए आवश्यक नीतिगत और प्रशासनिक कदम उठाए जा रहे हैं।

प्रशिक्षण/वनाग्नि रोकथाम

वनाग्नि संरक्षण को लेकर चकराता वन प्रभाग में तीन दिवसीय बहुविभागीय समन्वय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत हुई। यह प्रशिक्षण केंद्रीय राज्य वन सेवा अकादमी के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है, जिसमें राज्य आपदा मोचन बल, अग्निशमन सेवा, राजस्व विभाग और वन विभाग के 30 अधिकारी और कर्मचारी भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण का उद्देश्य वनाग्नि जैसी आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए विभागों के बीच बेहतर समन्वय और संयुक्त कार्यप्रणाली विकसित करना है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को उत्तराखंड के वन प्रकार, वनाग्नि की वर्तमान स्थिति, वनाग्नि के कारण, रोकथाम और न्यूनीकरण तकनीकों, अग्नि सुरक्षा उपायों तथा आधुनिक अग्निशमन उपकरणों की जानकारी दी जा रही है। इसके साथ ही फायर लाइन निर्माण और नियंत्रण उपायों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण और मैदानी भ्रमण भी कराया जा रहा है।

मनसा देवी भूस्खलन प्रभावित पहाड़ी–स्थलीय अध्ययन

हरिद्वार स्थित मनसा देवी की भूस्खलन प्रभावित पहाड़ियों का देश–विदेश के वैज्ञानिकों ने स्थलीय अध्ययन किया। यह अध्ययन उत्तराखण्ड भूस्खलन न्यूनीकरण एवं प्रबंधन केंद्र के अंतरराष्ट्रीय तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत हुआ। वैज्ञानिकों ने ढालों की स्थिति, स्थिरीकरण कार्यों, जल निकासी व्यवस्था और जोखिम न्यूनीकरण उपायों का निरीक्षण किया।

विशेषज्ञों ने भूमि उपयोग, भू–आकृतिक संरचना तथा प्राकृतिक और मानवीय कारणों का भी अवलोकन किया। आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास सचिव विनोद कुमार सुमन ने कहा कि अध्ययन से प्राप्त निष्कर्ष भविष्य में भूस्खलन जोखिम कम करने और पर्वतीय क्षेत्रों में सुरक्षा रणनीतियां बनाने में सहायक होंगे।

एच०एम०आई०एस

आयुष्मान सूचीबद्ध अस्पतालों में हॉस्पिटल मैनेजमेंट इंफार्मेशन सिस्टम– एच०एम०आई०एस को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए प्रदेश के निजी चिकित्सा संस्थानों को वर्चुअल प्रशिक्षण दिया गया। यह कार्यशाला आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत आयोजित की गई, जिसमें लाभार्थियों के हित में स्कैन एंड शेयर व्यवस्था को अनिवार्य रूप से अपनाने पर जोर दिया गया।

प्रशिक्षण के दौरान आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की प्रबंधक ने बताया कि राज्य मिशन निदेशक के निर्देश पर प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को एच०एम०आई०एस के माध्यम से डिजिटाइज किया जा रहा है, जिससे मरीजों को स्कैन एंड शेयर जैसी सुविधाओं का सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि गढ़वाल और कुमाऊं मंडल की सभी सरकारी चिकित्सा इकाइयों को पहले ही एच०एम०आई०एस का प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

एक नजर आज के समाचार पत्रों की सुर्खियों पर–

संसद के बजट सत्र में राष्ट्रपति के धन्यवाद अभिभाषण पर चर्चा और विपक्ष के हंगामे की खबर आज सभी समाचार पत्रों की सुर्खियों में है। हिंदुस्तान समाचार पत्र लिखता है संसद में हंगामा के चलते मोदी का संबोधन टला, लोकसभा में प्रदर्शन करते हुए प्रधानमंत्री मोदी की सीट तक पहुंची विपक्षी महिला सांसद।

धामी सरकार राज्य में तीन स्टार की कार्यबल और स्थानीय रोजगार मॉडल विकसित करने की तैयारी में है। अमर उजाला समाचार पत्र के अनुसार सीएम धामी ने उद्योगों की मांग के अनुसार रूप प्रशिक्षण व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए हैं।